

प्रेषक,

एस0एस0वदिया,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
खेल निदेशालय,
उत्तराखण्ड।

देहरादून दिनांक : 11 सितम्बर, 2009

खेल अनुभाग -

विषय :- जनपद देहरादून में मोरवियन स्कूल के निकट सिविल सर्विसेज इंस्टीट्यूट के निर्माण विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1331/सि.सर्व. पत्रा./2009-10/देहरादून दिनांक-30 जुलाई 2009 एवं शासनादेश संख्या-53(1)/VI-I/2007-4(5)2004, दिनांक-31-1-2008 एवं कार्यालय ज्ञाप संख्या-110/VI-I/25-2-2008, शासनादेश संख्या-145/VI-I/2008, दिनांक-27-3-08 एवं शासनादेश संख्या-99 VI-I/2008, दिनांक-5-3-09 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद देहरादून में मोरवियन स्कूल के निकट सिविल सर्विसेज इंस्टीट्यूट के निर्माण हेतु कुल स्वीकृत आगणन धनराशि रु0 752.00 लाख के सापेक्ष अब तक स्वीकृत कुल धनराशि रु0 472.62 लाख के सापेक्ष अवशेष धनराशि रु0 279.38 लाख में से इस वित्तीय वर्ष 2009-10 में कुल रु0 75.00 लाख (रु0 पछत्तर लाख मात्र) की धनराशि, को श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन व्यय किए जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- i) आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरे शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक है।
- ii) सामग्री कय करने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 का पालन कराना सुनिश्चित करें। कार्य की प्रगति की निरन्तर समीक्षा करते हुए निर्धारित समय सारिणी के अनुसार कार्य को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- iii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है। स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- iv) एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- v) कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

vi) आंगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।

vii) निर्माण सामग्री प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपर्युक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।

viii) जी.पी.डब्ल्यू. फार्म की शर्तों के अनुसार निर्माण ईकाई को कार्य सम्पादित करना होगा, तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आंगणन की कुल लागत का निर्माण ईकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।

ix) उक्त स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिन मदों के लिए यह स्वीकृत किया जा रहा हो। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा, ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बंध में समय-समय पर जारी किए गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

X) उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति-पूजीगत परिव्यय-03-खेलकूद तथा युवक सेवा खेलकूद स्टेडियम-00-102-खेलकूद स्टेडियम 06-सिविल सर्विसेज संस्थान की स्थापना-24-वृहद निर्माण मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

2. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-332(पी) /XXVII(3)/2009 दिनांक-01सितम्बर, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0एस0वल्दिया)

उप सचिव

पृष्ठांकन संख्या- 385 /VI-I/2009-4(5)/2004 तददिनांकित।

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओबराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 खेल मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
6. एन0आई0सी0, सचिवालय देहरादून।
7. परियोजना प्रबंधक, उ.प्र.रा.नि.नि., देहरादून
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से

(संजीव कुमार शर्मा)
अनुसचिव